



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 234]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1992/ज्येष्ठ 1, 1914

No. 234]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1992/JYAISTHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a
separate compilation

जल-भूतल परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 1992

मा.का.नि. 551(अ):—केन्द्रीय सरकार, भारतीय अंतर्वेशीय जल-
मार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 82) की धारा 35
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय अंतर्वेशीय प्राधिकरण
नियम, 1986 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है,
अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय अंतर्वेशीय जलमार्ग
प्राधिकरण (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये नियम पाठ्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

2. भारतीय अंतर्वेशीय जलमार्ग प्राधिकरण नियम, 1986 में (क)
नियम 28 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“28. लेखा और लेखा परीक्षा—(1) वित्तीय वर्ष/लेखा वर्ष, अप्रैल
से प्रारंभ होने वाला और 31 मार्च को समाप्त होने वाला वर्ष
होगा। (2) प्राधिकरण उचित लेखाओं तथा अन्य सुसंगत अभिलेखों

को बनाए रखेगा तथा इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप इ-1, इ-2
और इ-3 में लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र सहित लेखाओं
का वार्षिक विवरण तैयार करेगा।

(3) प्राधिकरण के लेखाओं की भारत के नियंत्रक और महालेखा
परीक्षा द्वारा वार्षिक रूप से लेखा परीक्षा की जाएगी तथा प्राधि-
करण के लेखाओं की लेखा-परीक्षा के संबंध में उसके द्वारा उपगत
किए गए किसी व्यय का प्राधिकरण द्वारा भारत के नियंत्रक और
महालेखा परीक्षक को उस तारीख से जिसकी उसके लिए भारत के
नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा कोई मांग की गई है, तीन
मास के अन्दर संदाय किया जाएगा।

(4) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक और प्राधिकरण
के लेखाओं की लेखा परीक्षा के संबंध में उनके द्वारा नियुक्त किसी
व्यक्ति को ऐसी लेखा-परीक्षा के संबंध में वही अधिकार और सुवि-
धाएं और प्राधिकार होंगे, जो भारत का नियंत्रक और महालेखा
परीक्षक सरकार के लेखाओं की लेखा परीक्षा के संबंध में
रखता है और उसे विशिष्टतः पुस्तकों, लेखाओं, संबंधित वाउचरों
तथा अन्य दस्तावेजों और कागज-पत्रों को प्रस्तुत करने के लिए
मांग करने और प्राधिकरण के किसी कार्यालय का निरीक्षण करने
का अधिकार होगा।

(5) लेखा परीक्षा अधिकारी को प्राधिकरण की सामान्य मुद्रा लगाकर अधिप्रमाणित और प्राधिकरण द्वारा सम्यक रूप से पारित वार्षिक लेखाओं की एक प्रति का उस वर्ष के जिससे लेखा संबंधित है, आगामी वर्ष की 31 जुलाई को या उसके पूर्व प्रदाय किया जाएगा। परन्तु यह कि सरकार प्राधिकरण से प्राप्त अनुरोध पर, लेखबद्ध किए जाने वाले कार्यों से और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से लेखा परीक्षा के समक्ष वार्षिक लेखाओं की प्रस्तुत किए जाने की तारीख को ऐसा अवधि तक, जो वह ठीक समझे, बढ़ा सकती।

(6) लेखा परीक्षा अधिकारी उसे लेखाओं की प्रस्तुत किए जाने के तीन मास के अन्दर प्राधिकरण के वार्षिक लेखाओं की लेखा परीक्षा करेगा और उस पर रिपोर्ट देगा।

(7) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक या उसके द्वारा नियुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित प्राधिकरण के लेखाओं को उन पर लेखा-परीक्षा रिपोर्ट सहित, लेखा परीक्षा अधिकारी वार्षिक रूप में, प्राधिकरण द्वारा लेखा परीक्षा अधिकारी को लेखाओं के प्रस्तुत किए जाने की तारीख से तीन मास की कालावधि के भीतर, सरकार को भेजेगा।

(8) स्टैंडर सामान के प्रारंभिक लेखे—कार्यस्थल पर सामग्री और औजारों एवं संयंत्रों (जिसमें विशेष औजार एवं संयंत्र सम्मिलित हैं) सहित स्टोर सामान के प्रारंभिक लेखे प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार रखे जायेंगे।

(9) सामग्री की अस्तित्व जांच—सामग्री और औजारों एवं संयंत्रों की अस्तित्व जांच ऐसे अधिकारी द्वारा की जाएगी जो उसका अभिरक्षक न हो। ऐसी जांच के परिणाम तथा सामग्री, औजारों एवं संयंत्रों की किसी कमी अथवा वृद्धि के लिए प्राधिकरण के आदेशों को लेखा परीक्षा-अधिकारी को संसूचित किया जाएगा।

(10) लेखाओं में अनौचित्य अथवा अनियमितता:

(क) लेखा परीक्षा अधिकारी प्राधिकरण और सरकार को, जहां आवश्यक हो, सामग्री के किसी ऐसे अनौचित्य या अनियमितता के बारे में जिसका वह स्वयं में या प्राधिकरण को देय घन को वसूली में संश्लेषण करे, पृथक-पृथक विवरण देगा।

(ख) प्राधिकरण तत्काल लेखा परीक्षा अधिकारी द्वारा बताई गई कमी या अनियमितता को दूर करने के उपाय करेगा तथा लेखा परीक्षा अधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त होने के 90 दिन के अन्दर उसके द्वारा उस पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सरकार को देगा।

यदि प्राधिकरण और लेखा-परीक्षा अधिकारी में कोई मतभेद है अथवा यदि प्राधिकरण उचित कालावधि के भीतर किसी कमी अथवा अनियमितता को दूर करने का उपाय नहीं करता है या कमी अथवा अनियमितता के बारे में कोई समाधानप्रद स्पष्टीकरण नहीं देता है तो सरकार, लेखा परीक्षा अधिकारी द्वारा उसके लिए किए गए विशेष उल्लेख पर, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करके, उस पर ऐसे आदेश पारित कर सकती जो वह उचित समझे और प्राधिकरण तत्पश्चात् ऐसे समय के भीतर, जो सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, उसके अनुसार कार्रवाई करेगा।

3. नियम 29 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) नियम 29 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट लेखाओं का वार्षिक विवरण”

4. नियम 29 के उपनियम (4) का लोप किया जाएगा।

5. नियम 29 के उपनियम (5) में “अक्तूबर मास के अंत” शब्दों के स्थान पर “नवम्बर के दूसरे सप्ताह” शब्द रखे जायेंगे।

6. नियम 30 का लोप किया जाएगा।

(ख) प्ररूप ख के पञ्चान् निम्नलिखित प्ररूप अन्तर्भावित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“प्ररूप—ह—1

प्ररूप—ह—2

प्ररूप—ह—3.

[फा.सं. 45-आई डब्ल्यू टी (59)/87-एन डब्ल्यू
जो.के. फिले, संयुक्त सचिव

प्ररूप सं. मो-1

भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण

तुलन-पत्र, यथा दिनांक 31 मार्च, 1991

गत वर्ष (रुपये)	पूँजी एवं वायित्व	चालू वर्ष (रुपये)	गत वर्ष	संपत्ति एवं परिसंपत्ति	चालू वर्ष (रुपये)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	पूँजी			स्थायी परिसंपत्तियाँ	
	1. पूँजी यू/एस 2(1)(ग)			1. सकल ग्लाक न्यून: मूल्यह्रास	
	2. पूँजी भत्तुवान यू/एस—18			गुण्य ग्लाक	
	भारतित एवं अधिशेष			2. निर्माणाधीन पूँजी निवेश	
	(विशेष रूप से उल्लिखित शीषों में से प्रत्येक के अन्तर्गत वर्गीकृत किए गए पिछले तुलन पत्र से वृद्धियाँ और कटौतियाँ)			(लागत पर)	
				(विशिष्ट रूप से उल्लिखित की जाने वाली प्रकृति)	
	1. पूँजी भारतित			1. सरकारी प्रतिभूतियाँ	
	2. सामान्य भारतित			2. सरकारी प्रतिभूतियों से ग्रह्य चालू परिसंपत्तियाँ	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
	<p>3. अन्य कोई आरक्षित/निषिद्ध (विशिष्ट रूप से उल्लिखित की जाने वाली प्रवृत्ति) उधार (क) सुरक्षित ऋण: 1. भारत सरकार से ऋण 2. बैंक से ऋण 3. अन्य ऋण प्राप्त ब्याज और अलग से दर्शाने वाले देय विशिष्ट रूप से से उल्लिखित की जाने वाली प्रतिभूति की प्रकृति</p>			<p>ऋण एवं अधिम (क) निवेश पर ब प्राप्ता ब्याज (ख) भंडार, पुर्जों एवं यांत्रिक उपकरण (लागत पर) 1. समुद्री कन पुर्जों 2. स्थायी भंडार 3. उपभोग्य अंकन सामग्री 4. स्टेशनरी 5. यांत्रिक उपकरण 6. अन्य विविध देनदार (क) सुरक्षित (ख) गैर सुरक्षित उपयुक्त समझी गयी (छ: महीने से अधिक और छ: महीने से कम, विशेष रूप से अलग से उल्लिखित करें) संदेह युक्त समझी गयी न्यून: सन्देह युक्त ऋणों के लिए प्रवृत्ति (घ) जमा, ऋण एवं अधिम 1. स्टाफ को अधिम 2. विभागीय अधिम 3. ठेकेदारों, सप्लायरों को अधिम 4. जमा 5. प्रतिलभ्य दावों 6. पूर्व प्रदत्त ऋणों 7. अधिम कर 8. अन्य (ङ) नकद और बैंड नोट 1. नकद/स्टैण्ड</p>		
	<p>(ख) गैर सुरक्षित ऋण 1. भारत सरकार से ऋण 2. बैंक से ऋण 3. अन्य ऋण (प्राप्त ब्याज अलग से दर्शाने वाले देय) बालू दायित्व प्रावधान (क) बालू दायित्व 1. विविध लेनदारों के लिए दायित्व 2. व्यय के लिए दायित्व 3. अधिशेष में प्राप्त अनुदान 4. अन्य</p>			<p>(ख) प्रावधान 1. करों के लिए प्रावधान 2. प्रोच्युटी के लिए प्रावधान 3. अवकाश वेतन और पेंशन अंगरान के लिए प्रावधान 4. अन्य प्रावधान 5. व्ययों के खातों में जमा (यदि अनुज्ञेय हो) कर्मचारी विविध पाटियों</p>		<p>2. मार्गस्थ रकम 3. अल्पावधि जमा (बैंक) 4. अनुसूचित बैंकों के पास नकद 5. बैंक 6. गैर अनुसूचित बैंकों के पास नकद 7. अन्य के पास जमा यदि कोई हो विविध ऋण: (बही-खाते न डालने या समायोजित किए जाने की सीमा तक) पी. एण्ड एल. लेखा (नामे बाकी यदि कोई हो)]</p>
	योग			योग		

(आकस्मिक उत्तरदायित्व (यदि कोई हो))

(उत्तरदायित्व की किस्म संक्षेप में)

- नोट:— 1. इस प्रारूप में किसी मध्य या उपमध्य के अन्तर्गत वी जाने वाली अवस्थित सूचना, यदि वह तुलन पत्र में सुविधाजनक रूप से संयोजित नहीं की जा सकती है तो वह अनुसूची/अनुसूचियों के रूप में अलग से भेजी जाएगी और वह लेखा के प्रारूप का एक भाग होगी।
2. प्राधिकरण के निदेशकों/सदस्यों पर देय ऋण/उधार और अधिम अलग से बताए जाएं।
3. वर्ष के दौरान किसी भी समय पर प्राधिकरण के निदेशकों/सदस्यों पर देय अधिकतम राशि नोट के रूप में दर्शायी जाए।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

प्ररूप सं. सी-2

लाभ-हानि खाता, 31 मार्च, 1992 को समाप्त वर्ष हेतु

गत वर्ष (रुपये)	विवरण	चालू वर्ष (रुपये)	गत वर्ष (रुपये)	विवरण	चालू वर्ष (रुपये)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	खर्चें			आय	
	प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चें			सरकार से प्राप्त राजस्व अनुदान	
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागते			पायलटों प्रभार	
	2. सर्वेक्षण			परामर्शी शुल्क आदि	
	3. निरक्षण			भंडारण और हुंडानि प्रभार	
	4. बंडालिंग			भाट शुल्क	
	5. नौचालन एवं चैनल मार्किंग के लिए सहायता			विलम्ब शुल्क	
	6. वाजिग			वर्षा प्रभार	
	7. नदी संरक्षण एवं सुधार			अन्य	
	8. टर्मिनल सुविधा			विविध प्राप्तियां	
	9. आकस्मिक पर्यवेक्षण			विनियोग खाते में अग्रणीत हानि के रूप में शेष	
	10. जलयान-परम्परा				
	11. अन्य प्रशासनिक एवं विविध खर्चें				
	प्रशासनिक खर्चें:				
	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागते				
	1. वेतन और भत्ते				
	2. सी. पी. एफ. में नियोक्ता का अंशदान				
	3. जी. आर. एस. में नियोक्ता का अंशदान				
	4. मानदेय				
	5. एल. टी. सी. खर्चें				
	6. चिकित्सा प्रतिपूर्ति				
	7. दैनिक कर्मचारियों की मजदूरी				
	8. अतिरिक्त समय भत्ता				
	9. लाभांश				
	10. अवकाश वेतन एवं पेनशन अंशदान				
	11. आवास-किराया				
	12. धर्म				
	13. परिवहन-हमदाद				
	14. अन्य स्टाफ कल्याण खर्च				
	15. अन्य				
	सामान्य ए. ई. अन्य खर्चें				
	1. कार्यालय-आवास				
	2. परामर्शन एवं अनुरक्षण				
	3. स्टाफ भर्ती के खर्चें				
	4. डाक टिकट, दूरभाष, तार				
	5. मुद्रण एवं लेखन सामग्री				
	6. बाह्य-चालन एवं अनुरक्षण				
	7. विज्ञापन एवं प्रचार				
	8. बाह्य प्रतिपूर्ति				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	9. मतोरंजन खर्चें				
	10. यात्रा खर्चें				
	अन्तर्देशीय				
	विदेशी				
	11. समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं				
	12. गाड़ी भाड़ा				
	13. विविध खर्चें				
	14. उपयोग्य				
	15. विद्युत् एवं जल-प्रभार				
	16. कार्यशाला/सम्मेलन				
	17. अवेक्षण शुल्क				
	18. विविध - प्रभार				
	19. संगोष्ठी प्रशिक्षण				
	20. सदस्यता शुल्क एवं भ्रमण				
	21. बीमा				
	22. वर-कर				
	23. भंडार की खपत, पुर्जें				
	वित्तीय प्रभार				
	1. ब्याज				
	2. भारत-सरकार से दीर्घ - अवधि - ऋण पर				
	3. एकद जमा पर				
	4. बोनडों/ऋण पत्रों पर				
	5. बैंक कमीशन प्रभार				
	6. कटौती प्रभार				
	7. विविध				
	जर्मीय सर्वेक्षण :				
	तकनीकी अध्ययन				
	परामर्शी प्रभार				
	अनुसंधान विकास व्यय				
	बित्री को, गई/स्कैड परिसंपत्तियों पर कमी				
	प्रावधान :				
	1. संदेह्यक्त ऋणों के लिए प्रावधान				
	2. अवकाशवर्तन एवं पेशन भ्रमण				
	3. [करों के लिए प्रावधान]				
	मूल्य ह्रास				
	व्याज हमदाद				
	निवेश भत्ता हमदाद				
	पी. एण्ड एल. विनियोग खाते में अग्रणीत				
	अधिशेष के रूप में ले जाई गई शेष राशि				
	योग :			योग :	

भारतीय अन्तर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण
लेखा नीति

(1) व्यय निरूपण :

जलयीय सर्वेक्षण, तकनीकी आर्थिक अध्ययन, बैडविंग, बाटम पेंतलिंग, निकषीय, सैन्य मार्किंग पर अस्थायी संरचना और जलयानों आदि के अनु-रक्षण पर व्यय राजस्व व्यय के रूप में निरूपित किया गया है जबकि सैन्य मार्किंग में स्थायी संरचना, जलयानों, सर्वे लांचों, टगो वाजों, निकषियों आदि की लागत पर व्यय पूंजी-व्यय के रूप में निरूपित किया गया है।

(2) मूल्य ह्रास :

प्राधिकरण की विभिन्न परिसम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास कम्पनी एक्ट, 1956 की अनुसूची 14 में निर्धारित दरों पर मूल्य ह्रास की सीधी प्रणाली से परिकलित किया गया है।

(3) पूंजीगत कार्यों की प्रगति :

कार्य प्रगति वार्षिक लागत के आधार पर मानी गई है और इसमें सम्पन्न कार्य के लिए ठेकेदारों को किए गए भुगतान शामिल हैं जो कि प्रमाणित हैं।

(4) भंडार, पुर्जे एवं मासिक उपकरण :

भंडार, पुर्जे और मासिक उपकरण लागत पर मूल्यांकित किए गए हैं।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 1992

G.S.R. 551(E).—In exercise of the powers conferred by Section 34 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (82 of 1985), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Inland Waterways Authority of India Rules 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Inland Waterways Authority of India (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Inland Waterways Authority of India Rules, 1986 :—

(a) for rule 28 the following rule shall be substituted namely :—

“28. Account and Audit.—(1) The financial year/accounting year shall be the year commencing from 1st April and ending on 31st March.

(2) The Authority shall maintain proper Accounts and other relevant records and prepare an annual statement of accounts, including the profit and loss Account and the Balance Sheet in the forms C-1, C-2 and C-3 annexed to these rules.

(3) The accounts of the Authority shall be audited annually by the Comptroller and Auditor General of India and any expenditure incurred by him in connection with the audit of accounts of the Authority shall be paid by the Authority to the Comptroller and Auditor General of India within three months from the date on which any demand therefor is made the Comptroller and Auditor General of India.

(4) The Comptroller and Auditor General of India and any person appointed by him in connection with the audit of the accounts of the Authority shall have the same rights and privileges and authority in connection with such Audit as the Comptroller and Auditor General has in connection with the audit of Government Accounts and in particular, shall have the right to demand the production of books, accounts, connected vouchers and other documents and papers and to inspect any of the offices of the Authority.

(5) The Audit Officer shall be supplied with a copy of the annual accounts authenticated by affixing the common seal of and duly passed by the Authority on or before 31st day of July following the year to which the accounts relate. Provided that on a request received from the Authority the Government may for reasons to be recorded in writing, and with the concurrence of the Comptroller and Auditor General of India, extend the date of submission of annual accounts to the Audit Officer by such period as it may consider fit.

(6) The Audit, Officer shall audit and report on the annual accounts of the Authority within 3 months of the submission of accounts to him.

(7) The accounts of the Authority as certified by the Comptroller and Auditor General of India or any other person appointed by him in this behalf together with the audit report thereon shall be forwarded by the Audit Officer annually to the Government within a period of three months from the date of submission of accounts by the Authority to the Audit Officer.

(8) Initial accounts of stores—Initial accounts

of stores including materials on the site of works and tools and plants (including special tools and plants) shall be maintained in accordance with such instructions as may from time to time be issued by the Authority.

- (9) Physical verification of stores.—A Physical verification of stores and tools and plants shall be made by an Officer who is not the custodian thereof. The results of such verification together with the orders of the Authority for any shortages or excess of stores and tools and plants shall be communicated to the Audit Officer.

- (10) Impropriety or irregularity in accounts :

- (a) The Audit Officer shall furnish the Authority and the Government separately with a statement, where necessary in regard to any material impropriety or irregularity which he may observe in the expenditure or in the recovery of money due to the Authority.
- (b) The Authority shall forthwith remedy any defect or irregularity that may be pointed out by the Audit Officer and shall report to the Government the action taken by, it thereon within ninety days of the receipt of the report of the Audit Officer.

Provided that, if there is any difference of opinion between the Authority and the Audit Officer, or if the Authority

does not remedy any defect or irregularity within a reasonable period or render a satisfactory explanation in regard to the defect or irregularity, the Government may, and, on a reference specifically made therefor by the Audit Officer, shall, in consultation with the Comptroller and Auditor General of India, pass such orders thereon as it thinks fit and the Authority shall thereafter take action in accordance therewith within such time as may be specified by the Government."

- (b) For clause (b) of sub-rule (1) of rule 29, the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) annual statement of accounts referred to in sub-rule (2) of rule 28"

- (c) sub-rule (4) of rule 29 shall be omitted.

- (d) in sub-rule (5) of rule 29 for the words "end of October" the words "second week of November" shall be substituted.

- (e) rule 30 shall be omitted.

- (f) after form B the following forms shall be inserted namely :—

Form C-1

Form C-2

Form C-3

[File No. 45-IWT(59)87-NW 1

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

FORM NO. C-1

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

Balance Sheet as on 31st March, 1991

Previous Year (Rupees)	Capital and Liabilities	Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)	Property and Assets	Current Year (Rupees)
1	2	3	4	5	6
	CAPITAL			FIXED ASSETS	
	(i) Capital u/s II(i)(c)			(i) Cross Block	
	(ii) Capital Grants u/s 18 Reserves & Surplus (Additions and deductions since last Balance Sheet to be shown under each of the specified heads)			Less : Depreciation Net Block	
	(i) Capital Reserves			(ii) Capital work-in-progress Investment (at Cost) (Nature to be specified.)	
	(ii) General Reserves			(i) Govt. Securities	
	(iii) Any other Reserves/Fund (Nature to be specified)			(ii) Other than Govt. Securities	

1	2	3	4	5	6
					CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES
	BORROWINGS			(a)	Interest accrued on investment
	(a) Secured Loans			(b)	Stores, Spare & Tools (At cost)
	(1) Loans from Govt. of India			(1)	Marine Spare Parts
	(2) Loans from Bank			(2)	Permanent Stores
	(3) Other loans			(3)	Consumables and Marking Material
	(i) Interest accrued end due to be shown separately			(4)	Stationery
	(ii) Nature of security to be specified			(5)	Tools
				(6)	Others
	(b) Unsecured Loans			(c)	Sundry Debtors
	(1) Loans from Govt. of India			(a)	Secured
	(2) Loans from Bank			(b)	Unsecured
	(3) Other Loans (Interest accrued and due to be shown separately)			—	Considered good (Specify Separately more than six months and less than six months)
				—	Considered doubtful less Provision for doubtful debts
	CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS			(d)	Deposits, Loans and Advances
	(a) Current Liabilities			(1)	Advance to staff
	(1) Liability for Sundry Creditors			(2)	Departmental Advance
	(2) Liability for Expenses			(3)	Advances to contractors and suppliers
	(3) Grants received in Surplus			(4)	Deposits
	(4) Others			(5)	Claims recoverable
				(6)	Pre-paid expenses
	(b) Provisions			(7)	Advance Taxes
	(1) Provisions for Taxes			(8)	Others
	(2) Provisions for Gratuity			(e)	Cash and Bank Balances
	(3) Provision for leave salary & pension contribution			(1)	Cash/Stamps in-hand
	(4) Other provisions			(2)	Remittance in transit
	(5) Deposits held on account of others (if applicable).			(3)	Short Term Deposits (Bank)
	(i) Employees			(4)	Cash with scheduled banks
	(ii) Sundry Parties			(5)	Cheque in hand
				(6)	Cash with Non-scheduled Banks
				(7)	Deposits with others, if any

1	2	3	4	5	6
				Miscellaneous Expenditures (To the extent not written off or adjusted) P & L Account (Debit Balance, if any).	
	Total			Total	
	Contingent liabilities (if any) (State briefly nature of Liabilities)				

- NOTES : (i) The information required to be given under any items of sub-items in this Form, if can not be conveniently included in the Balance Sheet itself, shall be furnished in a separate schedule/schedules to be annexed to it and shall form part of A/cs.
- (ii) Debts/loans and Advances due from Directors/Members of the Authority to be separately stated.
- (iii) The maximum amount due from Director/Member of the Authority at any time during the year to be shown by way of a note.

FORM NO. C-2

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA
Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 1992

Previous Year (Rupees)	Particulars	Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)	Particulars	Current Year (Rupees)
1	2	3	4	5	6
	EXPENSES			INCOME	
	Operational & Maintenance Expenses			Revenue Grant from Govt.	
	(i) Pay & Allowances & other staff costs			Pilotage charges.	
	(ii) Surveying.			Consultancy fee etc.	
	(iii) Dredging.			Storage & Handling charges.	
	(iv) Bandalling			Wharfage	
	(v) Aids to Navigation & Channel Marking.			Demurrage	
	(vi) Barging.			Berthing charges.	
	(vii) River Conservancy & Training.			Others	
	(viii) Terminal Facility.			Misc. Receipts.	
	(ix) Contingency & Petty Supervision.			Balance being loss carried to Profit & Loss appropriation Account.	
	(v) Repair to vessels.				
	(xi) Other Administrative & Misc. Expenses.				

1	2	3	4	5	6
	Administrative Expenses				
	Pay & Allowances & Other				
	Staff Cost.				
	(i) Pay & Allowances.				
	(ii) Employer's contribution				
	to CPF.				
	(iii) Employer's contribution				
	to GIS.				
	(iv) Honorarium.				
	(v) LTC Expenses.				
	(vi) Medical Reimbursement.				
	(vii) Daily wages.				
	(viii) O.T.A.				
	(ix) Bonus				
	(x) Leave Salary & Pension				
	Contribution.				
	(xi) Rent for residence.				
	(xii) Liveries.				
	(xiii) Transport Subsidy.				
	(xiv) Other staff welfare				
	expenses.				
	General & Other Expenses.				
	(i) Office Accommodation.				
	(ii) Repair & Maintenance.				
	(iii) Staff Recruitment Exp.				
	(iv) Postage, Telephone &				
	Telegram.				
	(v) Printing & Stationery.				
	(vi) Vehicle Running &				
	Maintenance.				
	(vii) Advertisement & Publicity.				
	(viii) Conveyance Reimburse-				
	ment.				
	(ix) Entertainment Expenses.				
	(x) Travelling Expenses.				
	—INLAND				
	—ABROAD				
	(xi) News papers & Periodicals.				
	(xii) Cartage.				
	(xiii) Misc. Expenses.				
	(xiv) Consumables.				
	(xv) Electricity & Water				
	charges.				
	(xvi) Workshop/Conferences.				
	(xvii) Audit Fees.				
	(xviii) Legal charges.				
	(xix) Seminar & Training.				
	(xx) Membership Fees &				
	Subscription				

1	2	3	4	5	6
	(xxi) Insurance				
	(xxii) Rates & taxes.				
	(xxiii) Consumption of stores & spares.				
	Financing Charges				
	(i) Interest				
	(a) On long term loan from Govt. of India.				
	(b) On Cash-credit				
	(c) On Bonds/Debentures				
	(ii) Bank Commission/Charges				
	(iii) Discounting charges				
	(iv) Misc.				
	Hydrographic Survey				
	Technical Studies I				
	Consultancy Charges.				
	Research & Development Expenses.				
	Less on assets sold or scrapped.				
	PROVISIONS				
	(i) Provision for doubtful debts.				
	(ii) Leave salary & Pension contribution.				
	(iii) Provision for Taxes.				
	Depreciation				
	Interest Subsidy				
	Investment allowance subsidy.				
	Balance being surplus carried to P & L				
	Appropriation account.				

FORM NO. C-3

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA ACCOUNTING POLICIES

1. Treatment of expenses : Expenditure on Hydrographic Survey Techno-economic, Bandalling, Bottom penalling, Dredging Temporary structure on channel marking and maintenance of vessels etc., is treated as revenue expenditure whereas expenditure on permanent structure in channel markings, costs of vessels, survey launches, tugs, barges, dredgers etc. is treated as capital expenditure.

2. Depreciation : Depreciation on various assets of the Authority is calculated on straight line method at the rates prescribed in schedule XIV of the Companies Act, 1956.

3. Capital work in Progress : The work in progress is accounted on actual cost basis and includes payments made to contractors for work done and certified.

4. Stores, Spares and tools : Stores, spare and tools are valued at cost.

